



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

दैनिक जागरण

दिनांक ... १०-१०-२०२० पृष्ठ संख्या... ०३ कॉलम... ३-५

खेती के साथ सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनाएं मधुमक्खी पालन

जागरण संवाददाता, हिसार: किसान खेती के साथ-साथ मधुमक्खी पालन को सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। मधुमक्खी पालन को किसान थोड़े से पैसे से शुरू कर अपने व्यवसाय को बढ़ा स्तर तक बढ़ा सकते हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में सह निदेशक (प्रशिक्षण) डा. अशोक गोदारा ने दी। वह मधुमक्खी पालन विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से आहवान किया कि प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान से वे लघु स्तर पर मधुमक्खी पालन व्यवसाय शुरू करके अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकते हैं।

जमीन न होने पर भी किसान कर सकते हैं यह व्यवसाय : कीट विज्ञान विभाग के सहायक निदेशक डा. भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि मधुमक्खी परागकरण क्रिया द्वारा फसल की पैदावार बढ़ाने में



प्रशिक्षणार्थियों को सटीफिकेट वितरित करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य। ● पीआरओ

शहद के अलावा भी मधुमक्खी पालन के हैं कई फायदे

प्रशिक्षण के दौरान वक्ताओं ने बताया कि मधुमक्खी पालन से शहद के अतिरिक्त भी अन्य पदार्थ जैसे मोम, प्रोपोलिस पराग, रायल जैली इत्यादि मिलते हैं, जिससे किसान अधिक लाभ कमा सकता है।

इस दौरान कीट विज्ञान विभाग के जिला विस्तार विशेषज्ञ डा. तरुण वर्मा, डा. सुनीता यादव, डा. निर्मल कुमार आदि ने भी प्रतिभागियों को मधुमक्खी पालन के बारे में बताया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों सहित अन्य प्रदेशों के 34 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

भी सहायक होती है। इस व्यवसाय को वे लोग भी शुरू कर सकते हैं, जिनके पास जमीन का अभाव है या फिर जमीन नहीं है। उन्होंने बताया कि सर्दी के मौसम में मधुमक्खी

पालन अधिक मुनाफा देता है क्योंकि इस समय फसल पर फूलों की संख्या बहुत अधिक होती है जो मधुमक्खी को शहद बनाने के लिए जरूरी होते हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

अमर उजाला

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक ..१५-१०-२०२०.....पृष्ठ संख्या.....०५.....कॉलम.....७-८

आगे बढ़ने के लिए नई तकनीकों के साथ सामंजस्य जरूरी : प्रो. सिंह

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। जीवन में आगे बढ़ने के लिए वर्तमान समय की नई तकनीकों के साथ सामंजस्य बैठाना जरूरी है। इसके लिए शिक्षकों को नित नई तकनीकों व शिक्षण की बारीकियों को सीखना होगा। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कही। वे नवनियुक्त अनुसंधान, शिक्षण व विस्तार के शिक्षकों एवं वैज्ञानिकों के लिए शुक्रवार को आयोजित आरंभिक प्रशिक्षण के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की ओर से किया गया था।

कुलपति ने कहा कि अब उनकी नई जिम्मेदारी विश्वविद्यालय को अपनी मेहनत व संघर्ष की बदौलत आगे ले जाने की है। इसके लिए उन्हें पूरी निष्ठा व कर्तव्य से कार्य करना होगा। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एमएस सिद्धपुरिया ने मानव संसाधन निदेशालय के संगठनात्मक ढांचे व



प्रशिक्षणार्थी को प्रमाणपत्र देते कुलपति।

उसकी गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। निदेशालय की संयुक्त निदेशक व कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि एक माह के आरंभिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के नवनियुक्त शिक्षकों को विश्वविद्यालय की सभी गतिविधियों, नियमों, कानून, एक एंड स्टेट्यूट्स, विश्वविद्यालय प्रशासन के संगठनात्मक ढांचे, महाविद्यालयों के संगठनात्मक ढांचे व गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। इस दौरान सहायक निदेशक डॉ. जितेंद्र भाटिया, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, मीडिया एडवाइजर डॉ. आरएस छिल्लों व प्रशिक्षणार्थी मौजूद थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

ईडी. भास्कर

दिनांक ...।०-।९-१९८९.....पृष्ठ संख्या.....०२.....कॉलम.....५-८.....

किसान कम पूँजी में शुरू कर सकते हैं मधुमक्खी पालन, सर्दियों के मौसम में ज्यादा निकलता है शहद एचएयू में मधुमक्खी पालन पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरू, विशेषज्ञों ने दिए सुझाव

भास्कर न्हूज़ | हिसार

किसान खेती के साथ मधुमक्खी पालन को सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनाकर आमदानी बढ़ा सकते हैं। मधुमक्खी पालन को किसान थोड़े से रुपए से शुरू कर अपने व्यवसाय को बड़े स्तर तक बढ़ा सकते हैं।

यह जानकारी एचएयू के साथना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के डॉ. अशोक गोदारा, सह-निदेशक (प्रशिक्षण) ने दी। वे मधुमक्खी पालन विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन

प्रशिक्षण कार्यक्रम के अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से आह्वान किया कि प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान से वे लघु स्तर पर मधुमक्खी पालन व्यवसाय शुरू कर अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकते हैं। कीट विज्ञान विभाग के सहायक निदेशक डॉ. भूरेन्द्र सिंह ने बताया कि मधुमक्खी

परागकरण किया द्वारा फसल की पैदावार बढ़ाने में सहायक होती है। इस व्यवसाय को वे लोग भी शुरू कर सकते हैं, जिनके पास जमीन का अभाव है। उन्होंने बताया कि सर्दी के मौसम में मधुमक्खी पालन

प्रशिक्षण कार्यक्रम में 34 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

प्रशिक्षण के दौरान वक्ताओं ने बताया कि मधुमक्खी पालन से शहद के अतिरिक्त भी अन्य पदार्थ जैसे मोम, प्रोपोलिस पराग, रायत जैली इत्यादि मिलते हैं, जिससे किसान अधिक लाभ कमा सकता है। इस दौरान कीट विज्ञान विभाग के

जिला विस्तार विशेषज्ञ डॉ. तरुण वर्मा, डॉ. सुनीता यादव, डॉ. निर्मल कुमार आदि ने भी प्रतिभागियों को मधुमक्खी पालन के बारे में बताया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों सहित अन्य प्रदेशों के 34 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

अधिक मुनाफा देता है क्योंकि इस समय फसल पर मूलों की संख्या बहुत अधिक होती है जो मधुमक्खी को शहद बनाने के लिए जरूरी होते हैं। प्रशिक्षण के दौरान सहायक

निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने प्रतिभागियों को मधुमक्खी पालन के बारे में जानकारी देते हुए सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....
दिनांक ...।०--।०-२०.....पृष्ठ संख्या.....०५.....कॉलम.....३.....

किसान मधुमक्खी पालन को भी अपनाएँ : डॉ. एके गोदारा

हिसार। किसान खेती के साथ-साथ मधुमक्खी पालन को सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। यह जानकारी चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाले कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने दी। वे मधुमक्खी पालन विषय पर शुक्रवार को शुरू हुए तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से आह्वान किया कि प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान से वे लघु स्तर पर मधुमक्खी पालन व्यवसाय शुरू करके अपनी आय में बढ़ोतारी कर सकते हैं। कीट विज्ञान विभाग के सहायक निदेशक डॉ. भूरेंद्र सिंह, डॉ. सुरेंद्र सिंह ने प्रतिभागियों को मधुमक्खी पालन के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी। ब्लूरो

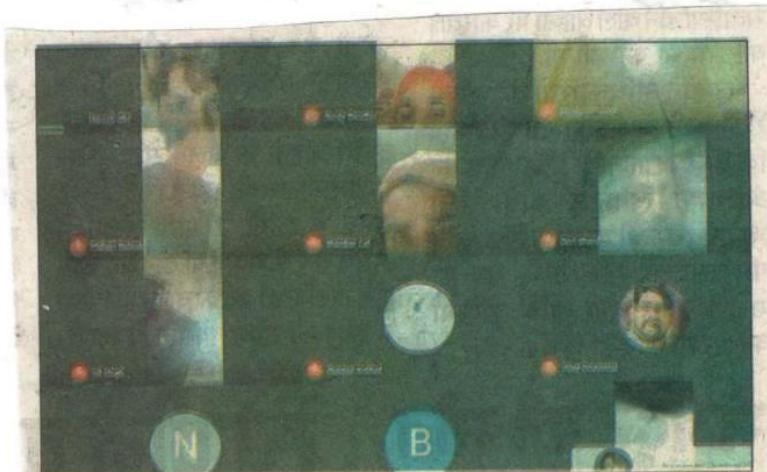


चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

ਪੰਜਾਬ ਕੇਸ਼ਰੀ

ਸਮਾਚਾਰ ਪਤਰ ਕਾ ਨਾਮ.....

ਦਿਨਾਂਕ ..।੧੦-੧੦-੨੦੨੦...ਪ੍ਰਤ ਸੰਖਿਆ.....੦੫.....ਕੱਲਮ.....੬-੭.....



ਪ੍ਰਤਿਭਾਗੀਓਂ ਕੋ ਸੰਬੋਧਿਤ ਕਰਤੇ ਵਕਤ।

ਖੇਤੀ ਕੇ ਸਾਥ ਸਹਯੋਗੀ ਵਿਵਸਾਯ ਕੇ ਰੂਪ ਮੌਜੂਦਾ ਅਪਨਾ ਮਧੁਮਕਖੀ ਪਾਲਨ: ਡਾ. ਏ.ਕੇ. ਗੋਦਾਈ

ਹਿਸਾਰ, 9 ਅਕਤੂਬਰ (ਬ੍ਰੂਗੇ): ਕਿਸਾਨ

ਖੇਤੀ ਕੇ ਸਾਥ-ਸਾਥ ਮਧੁਮਕਖੀ ਪਾਲਨ ਕੋ

ਸਹਯੋਗੀ ਵਿਵਸਾਯ ਕੇ ਰੂਪ ਮੌਜੂਦਾ ਅਪਨਾ ਕਰ

ਅਪਨੀ ਆਮਦਨੀ ਮੌਜੂਦਾ ਕਰ ਸਕਤੇ ਹਨ।

ਮਧੁਮਕਖੀ ਪਾਲਨ ਕੋ

ਏਚ.ਏ.ਟੂ. ਮੌਜੂਦਾ ਮਧੁਮਕਖੀ

ਕਿਸਾਨ ਥੋੜ੍ਹੇ ਸੇ ਪੈਸੇ ਸੇ

ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਬੱਡੇ ਸੱਤਰਾਂ ਤਕ

ਬੱਡਾ ਸਕਤੇ ਹਨ। ਯਹ

ਜਾਨਕਾਰੀ ਚੌਧਰੀ ਚਰਣ

ਸਿੰਹ ਹਰਿਯਾਣਾ ਕ੃਷ਿ ਵਿਵਸਾਯ ਕੇ

ਸਾਇਨਾ ਨੇਹਵਾਲ ਕ੃਷ਿ ਪ੍ਰੌਦੀਗਿਕੀ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ

ਏਂ ਵਿਵਸਾਯ ਸੰਸਥਾਨ ਕੇ ਡਾ. ਅਸ਼ੋਕ

ਗੋਦਾਰਾ, ਸਾਹ-ਨਿਦੇਸ਼ਕ (ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ)

ਨੇ ਦੀ। ਵਹ ਮਧੁਮਕਖੀ ਪਾਲਨ ਵਿ਷ਯ ਪਰ ਆਧੋਜਿਤ

3 ਦਿਵਸੀਂ ਮਧੁਮਕਖੀ ਪਾਲਨ ਕਾਰ੍ਯਕ੍ਰਮ

ਕੇ ਜੁ ਭਾਰਤ ਅਕਾਸ਼ ਪਰ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆਥਿਂਕਾਂ ਕੋ

ਸੰਬੋਧਿਤ ਕਰ ਰਹੇ ਥੇ। ਤਾਂਤ੍ਰਿਕ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆਥਿਂਕਾਂ

ਦੇ ਆਹਾਨ ਕਿਯਾ ਕਿ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ ਦੇ ਪ੍ਰਾਪਤ

ਜਾਨ ਦੇ ਵੇਲੇ ਸਤਰ ਪਰ ਮਧੁਮਕਖੀ ਪਾਲਨ

ਵਿਵਸਾਯ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰਕੇ ਅਪਨੀ ਆਧੀ ਮੌਜੂਦਾ

ਬੱਡੀ ਕਰ ਸਕਤੇ ਹਨ।

ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਸਹਾਯਕ ਨਿਦੇਸ਼ਕ

(ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ) ਡਾ. ਸੁਉਂਦਰ

ਸਿੰਹ ਨੇ ਪ੍ਰਤਿਭਾਗੀਓਂ ਕੋ

ਮਧੁਮਕਖੀ ਪਾਲਨ ਦੇ ਬਾਰੇ ਮੌਜੂਦਾ ਵਿਸ਼ਾ

ਵਿਸ਼ਾ ਦੇ ਬਾਰੇ ਮੌਜੂਦਾ ਵਿਸ਼ਾ

ਜਾਨਕਾਰੀ ਦੇਤੇ ਹਨ।

ਸਿੰਹ ਹਰਿਯਾਣਾ ਕ੃਷ਿ ਵਿਵਸਾਯ ਕੇ

ਸਾਇਨਾ ਨੇਹਵਾਲ ਕ੃਷ਿ ਪ੍ਰੌਦੀਗਿਕੀ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ

ਏਂ ਵਿਵਸਾਯ ਸੰਸਥਾਨ ਕੇ ਡਾ. ਅਸ਼ੋਕ

ਗੋਦਾਰਾ, ਸਾਹ-ਨਿਦੇਸ਼ਕ (ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ)

ਨੇ ਦੀ। ਵਹ ਮਧੁਮਕਖੀ ਪਾਲਨ ਵਿ਷ਯ ਪਰ ਆਧੋਜਿਤ

3 ਦਿਵਸੀਂ ਮਧੁਮਕਖੀ ਪਾਲਨ ਕਾਰ੍ਯਕ੍ਰਮ

ਕੇ ਜੁ ਭਾਰਤ ਅਕਾਸ਼ ਪਰ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆਥਿਂਕਾਂ

ਦੇ ਆਹਾਨ ਕਿਯਾ ਕਿ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ ਦੇ ਪ੍ਰਾਪਤ

ਫਿਰ ਮਧੁਮਕਖੀ ਪਾਲਨ ਦੇ ਬਾਰੇ ਮੌਜੂਦਾ ਵਿਸ਼ਾ



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज	09.10.2020	--	--

खेती के साथ सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनाएं मधुमक्खी पालन: डॉ. गोदारा

पल पल न्यूज़: हिसार, 9 अक्टूबर। किसान खेती के साथ-साथ मधुमक्खी पालन को सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। मधुमक्खी पालन को किसान थोड़े से पैसे से शुरू कर अपने व्यवसाय को बड़े स्तर तक बढ़ा सकते हैं। ये जानकारी चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के डॉ. अशोक गोदारा, सह-निदेशक (प्रशिक्षण) ने दी। वे मधुमक्खी पालन विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से आह्वान किया कि प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान से वे लघु स्तर पर मधुमक्खी पालन व्यवसाय शुरू करके अपनी आय में बढ़ातेरी कर सकते हैं। कीट विज्ञान विभाग के सहायक निदेशक डॉ. भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि मधुमक्खी परागकरण क्रिया द्वारा फसल की पैदावार बढ़ाने में भी सहायक होती है। इस व्यवसाय को वे लोग भी शुरू कर सकते हैं, जिनके पास जमीन का अभाव है या फिर जमीन नहीं है। उन्होंने बताया कि सर्दी के मौसम में मधुमक्खी पालन अधिक मुनाफा देता है क्योंकि इस समय फसल पर फूलों की संख्या बहुत अधिक होती है जो मधुमक्खी को शहद बनाने के लिए जरूरी होते हैं। प्रशिक्षण के दौरान सहायक निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने प्रतिभागियों को मधुमक्खी पालन के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी। इस व्यवसाय को शुरू करने के लिए सरकार की ओर से ऋण मुहैया करवाए जाने के लिए प्रपोजल तैयार करने संबंधी भी विस्तृत जानकारी दी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे	09.10.2020	--	--

हिसार-आलपाल

खेती के साथ सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनाएं मधुमक्खी पालन : डॉ. गोदारा

एचएयू में मधुमक्खी पालन पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरू

टुडे न्यूज़ | हिसार

किसान खेती के साथ-साथ मधुमक्खी पालन को सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनाकर अपनी आमदनी में ड्राफ्ट कर सकते हैं। मधुमक्खी पालन को किसान थोड़े से पैसे से शुरू कर अपने व्यवसाय को बड़े स्तर तक बढ़ा सकते हैं।

ये जानकारी चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथा नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के डॉ. अशोक गोदारा, सह-निदेशक(प्रशिक्षण) ने दी। वे मधुमक्खी पालन विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण

कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से आह्वान किया कि प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान से वे लघु स्तर पर मधुमक्खी पालन व्यवसाय शुरू करके अपनी आय में बढ़ाती कर सकते हैं। कीट विज्ञान विभाग के



प्रतिभागियों को संबोधित करते वक्ता।

सहायक निदेशक डॉ. भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि मधुमक्खी परागकरण किया द्वारा फसल को पैदावार बढ़ाने में भी सहायह होती है। इस व्यवसाय को वे लोग भी शुरू कर सकते हैं, जिनके पास जमीन का अभाव है या फिर जमीन नहीं है। उन्होंने बताया कि सर्दी के मौसम

में मधुमक्खी पालन अधिक मुनाफा देता है क्योंकि इस समय फसल पर फलों की संख्या बहुत अधिक होती है जो मधुमक्खी को शहद बनाने के लिए जरूरी होते हैं। प्रशिक्षण के दौरान सहायक निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. सुरेंद्र सिंह ने प्रतिभागियों को मधुमक्खी पालन

शहद के अलावा भी कई फायदे हैं मधुमक्खी पालन के प्रशिक्षण के दौरान वक्ताओं ने बताया कि मधुमक्खी पालन से शहद के अतिरिक्त श्री अद्य पदार्थ जैसे मोम, प्रौपोटिस पराग, रायल जैली इत्यादि विलसे हैं, जिससे किसान अधिक लाभ कमा सकता है। इस दौरान कीट विज्ञान विभाग के विल विस्तार विशेषज्ञ डॉ. तरुण वर्मा, डॉ. सुनीता यादव, डॉ. विर्जल कुमार आदि ने भी प्रतिभागियों को मधुमक्खी पालन के बारे में बताया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों सहित अल्प प्रदेशों के 34 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए सरकार द्वारा चलाइ जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी। इस व्यवसाय को शुरू करने के लिए सरकार की ओर से ब्रह्म महैया करवाए जाने के लिए प्रयोजन तैयार करने संबंधी भी विस्तृत जानकारी दी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	09.10.2020	--	--

एचएयू में मधुमक्खी पालन पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरू

सिटी पल्स ब्यूज़, हिसार। किसान सेती के साथ-साथ मधुमक्खी पालन को सहबोधी व्यवसाय के रूप में आगाहर अपनी आमदनी में इंगाज कर सकते हैं। मधुमक्खी पालन को किसान थोड़े से पैसे से भूल कर अपने व्यवसाय को बड़े स्तर तक बढ़ा सकते हैं। ये जनकारी हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नैदानिक कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के डॉ. अशोक गोदारा, सह-निदेशक(प्रशिक्षण) ने दी। वे मधुमक्खी पालन विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से आडवान किया कि प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान से वे लघु रूप पर मधुमक्खी पालन व्यवसाय शुरू करके अपनी आय में बढ़ोतारी कर सकते हैं। कॉट विज्ञान विभाग के सहायक निदेशक डॉ. भूषण सिंह ने बताया कि मधुमक्खी परागकरण किया जाये फसल की पैदावार बढ़ाने में भी सहायता होती है। इस व्यवसाय को वे लोग भी शुरू कर सकते हैं, जिनके पास जनीन का अनावृत्ति है। प्रशिक्षण के दौरान सहायक निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने प्रतिभागियों को मधुमक्खी पालन के बारे में जानकारी देते हुए सहकार द्वाया घलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नम छोर	09.10.2020	--	--

हकूमि में मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण आरंभ

हिसार/09 अक्टूबर/रिपोर्टर

किसान खेती के साथ-साथ मधुमक्खी पालन को सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनाकर अपनी आमदानी में इजाफा कर सकते हैं। मधुमक्खी पालन को किसान थोड़े से ऐसे से शुरू कर अपने व्यवसाय को बढ़े स्तर तक बढ़ा सकते हैं। ये जानकारी चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के डॉ. अशोक गोदारा, सह-निदेशक(प्रशिक्षण) ने दी। वे मधुमक्खी पालन विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से आहवान किया कि प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान से वे लघु स्तर पर मधुमक्खी पालन व्यवसाय शुरू करके अपनी आय में बढ़ाती कर सकते हैं। कीट विज्ञान विभाग के सहायक निदेशक डॉ. भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि मधुमक्खी परागकरण क्रिया द्वारा फसल की पैदावार बढ़ाने में भी सहायह होती है। इस व्यवसाय को वे लोग भी शुरू कर सकते हैं, जिनके पास ज्ञान की ओर से उन्हें विशेषज्ञ डॉ. तरुण वर्मा, डॉ. सुनीता यादव, डॉ. निर्मल कुमार आदि ने भी प्रतिभागियों को मधुमक्खी पालन के बारे में बताया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों सहित अन्य प्रदेशों के 34 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	09.10.2020	--	--

खेती के साथ सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनाएं मधुमक्खी पालन : डॉ. गोदारा

एचएयू में मधुमक्खी पालन पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरू

पांच बजे ब्लूज

हिसार। किसान खेती के साथ-साथ मधुमक्खी पालन को सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। मधुमक्खी पालन को किसान थोड़े से पैसे से शुरू कर अपने व्यवसाय को बढ़े स्तर तक बढ़ा सकते हैं। ये जानकारी चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साधारण नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के डॉ. अशोक गोदारा, सह-निदेशक(प्रशिक्षण) ने दी। वे मधुमक्खी पालन विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से आहवान किया कि प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान से वे लघु स्तर पर मधुमक्खी पालन व्यवसाय शुरू करके अपनी आय में बढ़ातरी कर सकते हैं। कॉट विज्ञान विभाग के सहायक निदेशक डॉ. भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि मधुमक्खी परागकरण किया द्वारा फसल की पैदावार बढ़ाने में भी सहायता होती है। इस व्यवसाय को वे लोग भी शुरू कर सकते हैं, जिनके पास जमीन का अभाव है या फिर जमीन नहीं है। उन्होंने बताया कि सर्दी के मौसम में

मधुमक्खी पालन अधिक मुनाफा देता है क्योंकि इस समय फसल पर फूलों की संख्या बहुत अधिक होती है जो मधुमक्खी को शहद बनाने के लिए जरूरी होते हैं। प्रशिक्षण के दौरान सहायक निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने प्रतिभागियों को मधुमक्खी पालन के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी। इस व्यवसाय को शुरू करने के लिए सकार की ओर से ऋण मुहैया करवाए जाने के लिए प्रोजेक्ट तैयार करने संबंधी भी विस्तृत जानकारी दी।

शहद के अलावा भी कई फायदे हैं मधुमक्खी पालन के

प्रशिक्षण के दौरान वक्ताओं ने बताया कि मधुमक्खी पालन से शहद के अतिरिक्त भी अन्य पदार्थ जैसे मोम, प्रोपोलिस पराग, रायल जैली इत्यादि मिलते हैं, जिससे किसान अधिक लाभ कमा सकता है। इस दौरान कॉट विज्ञान विभाग के जिला विस्तार विशेषज्ञ डॉ. तरुण वर्मा, डॉ. सुनीता यादव, डॉ. निर्मल कुमार आदि ने भी प्रतिभागियों को मधुमक्खी पालन के बारे में बताया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों सहित अन्य प्रदेशों के 34 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	09.10.2020	--	--

खेती के साथ सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनाएं मधुमक्खी पालन : डॉ. गोदारा

एचएयू में मधुमक्खी पालन पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरू

समस्त हरियाणा न्यूज
हिसार। किसान खेती के साथ-साथ

मधुमक्खी पालन को सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। मधुमक्खी पालन को किसान थोड़े से पैसे से शुरू कर सकते हैं।

सायना नेहवाल कृषि प्रैदेंशिकी

प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के डॉ.

अशोक गोदारा, सह-

कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर सहायक निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. सुरेंद्र प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। सिंह ने प्रतिभागियों को मधुमक्खी

उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से आह्वान पालन के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी

किया कि प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान से वे देते हुए सरकार द्वारा चलाई जा रही

लघु स्तर पर मधुमक्खी पालन व्यवसाय शुरू करके अपनी आय में बढ़ोतारी कर भी दी।

प्रशिक्षण के दौरान वक्ताओं ने

सहायक निदेशक डॉ. भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि मधुमक्खी पालन से शहद के

अतिरिक्त भी अच्युतार्थ जैसे मोम, प्रोपोलिस पराग, रायल जैली इत्यादि

को प्रोपोलिस पराग, रायल जैली इत्यादि

अपने व्यवसाय को बड़े स्तर तक बढ़ा सहायह होती है। इस व्यवसाय को वे मिलते हैं, जिससे किसान अधिक लाभ

सकते हैं। ये जानकारी चौधरी चरण लोग भी शुरू कर सकते हैं, जिनके पास कमा सकता है। इस दौरान कीट विज्ञान

सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के जर्मीन का अभाव है या फिर जर्मीन नहीं विभाग के जिला विस्तार विशेषज्ञ डॉ.

उन्होंने बताया कि सर्दी के मौसम में तरूण वर्मा, डॉ. सुनीता यादव, डॉ.

निर्मल कुमार आदि ने भी प्रतिभागियों

को मधुमक्खी पालन के बारे में बताया।

मधुमक्खी पालन अधिक मुनाफा देता है

निदेशक(प्रशिक्षण) ने दी। वे संख्या बहुत अधिक होती है जो इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के

मधुमक्खी पालन विधय पर आयोजित मधुमक्खी को शहद बनाने के लिए विभिन्न जिलों सहित अन्य प्रदेशों के 34

तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण जरूरी होते हैं। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	09.10.2020	--	--

खेती के साथ सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनाएं मधुमक्खी पालन : डॉ. ए.के. गोदारा

एचएयू में मधुमक्खी पालन पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरू

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 9 अक्टूबर : किसान खेती के साथ-साथ मधुमक्खी पालन को सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। मधुमक्खी पालन को किसान थोड़े से पैसे से शुरू कर अपने व्यवसाय को बढ़ा स्तर तक बढ़ा सकते हैं। ये जानकारी चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साधारण नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के डॉ. अशोक गोदारा, सह-निदेशक(प्रशिक्षण) ने दी। वे मधुमक्खी पालन विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से आहवान किया कि प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान से वे लघु स्तर पर मधुमक्खी पालन व्यवसाय

शहद के अलावा भी कई फायदे हैं मधुमक्खी पालन के

प्रशिक्षण के दौरान वक्ताओं ने बताया कि मधुमक्खी पालन से शहद के अतिरिक्त भी अन्य पदार्थ जैसे मोम, प्रोपोलिस पराग, रायल जैली इत्यादि मिलते हैं, जिससे किसान अधिक लाभ कमा सकता है। इस दौरान कीट विज्ञान विभाग के जिला विस्तार विशेषज्ञ डॉ. तरुण वर्मा, डॉ. सुनीता यादव, डॉ. निर्मल कुमार आदि ने भी प्रतिभागियों को मधुमक्खी पालन के बारे में बताया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों सहित अन्य प्रदेशों के 34 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

शुरू करके अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकते हैं। कीट विज्ञान विभाग के सहायक निदेशक डॉ. भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि मधुमक्खी परागकरण क्रिया द्वारा फसल की पैदावार बढ़ाने में भी सहाय्य होती है। इस व्यवसाय को वे लोग भी शुरू कर सकते हैं, जिनके पास जमीन का अभाव है या फिर जमीन नहीं है। उन्होंने बताया कि सर्दी के मौसम में मधुमक्खी पालन अधिक मुनाफा देता है क्योंकि इस समय फसल पर फूलों की संख्या बहुत

अधिक होती है जो मधुमक्खी को शहद बनाने के लिए जरूरी होते हैं। प्रशिक्षण के दौरान सहायक निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. सुनेद्र सिंह ने प्रतिभागियों को मधुमक्खी पालन के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए सरकार द्वारा चलाइ जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी। इस व्यवसाय को शुरू करने के लिए सरकार की ओर से ऋण मुहैया करवाए जाने के लिए प्रोजेक्ट तैयार करने संबंधी भी विस्तृत जानकारी दी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

मैत्री भास्तुर

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक ..१५-१०-२०२०.....पृष्ठ संख्या.....०२.....कॉलम.....६८.....

एचएयू के नवनियुक्त वैज्ञानिकों का प्रशिक्षण संपन्न



भारत न्यूज़ | हिसार

जीवन में आगे बढ़ने के लिए वर्तमान समय की नई तकनीकों के साथ सामंजस्य बैठाना जरूरी है। इसके लिए शिक्षकों को नित नई तकनीकों व शिक्षण की बारीकियों को सीखना होगा। उक्त विचार एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने व्यक्त किए। वे नवनियुक्त अनुसंधान, शिक्षण व विस्तार के शिक्षकों एवं वैज्ञानिकों के लिए आयोजित आर्थिक प्रशिक्षण के समापन

अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय ने किया था। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिंहपुरिया ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए प्रतिभागियों के साथ परिचय करवाया। साथ ही मानव संसाधन निदेशालय के संगठनात्मक ढांचे व उसकी गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। निदेशालय की संयुक्त निदेशक व कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मंजू मेहता ने जानकारी दी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....
लोक संपर्क जरूरी

दिनांक ... १५-१०-२०२० पृष्ठ संख्या..... ०२ कॉलम..... ४

उन्नति के लिए तकनीक के साथ सामंजस्य जरूरी : प्रो. समर सिंह

जासं, हिसार : जीवन में आगे बढ़ने के लिए नई तकनीकों के साथ सामंजस्य बैठाना जरूरी है। इसके लिए शिक्षकों को नित नई तकनीकों व शिक्षण की बारीकियों को सीखना होगा। उक्त विचार एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहे। वे नवनियुक्त अनुसंधान, शिक्षण व विस्तार के शिक्षकों एवं विज्ञानियों के लिए आयोजित आरंभिक प्रशिक्षण के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

प्रशिक्षण का आयोजन मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की ओर से किया गया था। उन्होंने कहा कि अब उनकी नई जिम्मेदारी विश्वविद्यालय को अपनी मेहनत व संघर्ष की बढ़ाइलत आगे ले जाने की है। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डा. एमएस सिंहदुरिया ने निदेशालय के संगठनात्मक ढांचे व उसकी गतिविधियों के बारे में बताया। सहायक निदेशक डा. जितेंद्र भाटिया ने बताया कि प्रशिक्षणार्थियों को प्रतिदिन अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिए गए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....
हरिभूमि

दिनांक ...।०-।०-२०२०...पृष्ठ संख्या.....०९.....कॉलम.....२-६.....

हकृति के वैज्ञानिकों के लिए आयोजित आरंभिक प्रशिक्षण का समापन नई तकनीकों के साथ सामंजस्य जट्ठरी

- कहा, आज के दौर में कामयाबी के लिए आपके व्यक्तित्व की बहुत बड़ी भूमिका

हरिगूरि न्यूज ► हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए वर्तमान समय की नई तकनीकों के साथ सामंजस्य बैठाना जरूरी है। इसके लिए शिक्षकों को नित नई तकनीकों व शिक्षण की बारीकियों को सीखना होगा। कुलपति प्रो. सिंह नवनियुक्त अनुसंधान, शिक्षण व विस्तार के शिक्षकों एवं वैज्ञानिकों के लिए आयोजित आरंभिक प्रशिक्षण के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की ओर से किया गया था। उन्होंने नवनियुक्त वैज्ञानिकों से



हिसार। प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य।

आङ्गन किया कि इस आरंभिक प्रशिक्षण से हासिल ज्ञान को अपने सेवाकाल में अधिक से अधिक प्रयोग करें ताकि वे नित नई चुनौतियों का समाना कर आगे बढ़ने में सक्षम हो सकें। आज के दौर में कामयाबी के लिए आपके व्यक्तित्व की बहुत बड़ी भूमिका होती है। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिंहपुरिया ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए प्रतिभागियों के साथ परिचय करवाया। साथ ही मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के संगठनात्मक ढांचे व उसकी गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इस अवसर पर निदेशालय के संयुक्त निदेशक व कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मंजु मेहता, सहायक निदेशक डॉ. जितेंद्र भाटिय विवें के वित नियंत्रक नवीन जैन, मेडिय एडवाइजर डॉ. आर.एस. दिल्लौं सहित प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजक व प्रशिक्षणार्थी मौजूद थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

पंजाब कैसरी

दिनांक १०-१०-२०२० पृष्ठ संख्या ०५ कॉलम १-२

आगे बढ़ने के लिए नई तकनीकों के साथ सामंजस्य जटिली: प्रो. समर सिंह



कार्यक्रम में मौजूद कुलपति व प्रशिक्षणार्थी।

हिसार, ९ अक्टूबर (ब्यूरो): जीवन में आगे बढ़ने के लिए वर्तमान समय की नई तकनीकों के साथ सामंजस्य बैठाना जरूरी है। इसके लिए शिक्षकों को नित नई तकनीकों व शिक्षण की बारीकियों को

■ एच.ए.यू. के नवनियुक्त

सीखना होगा। उक्त विचार चौधरी चरण

सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के

विश्वविद्यालय को अपनी मेहनत व संघर्ष की बदौलत आगे ले जाने की है। इसके लिए उन्हें पूरी निष्ठा व कर्तव्य से कार्य करना होगा। अगर आप मेहनत, सच्ची लगन, दृढ़ सकल्प

व आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेंगे तो सफलता आपके कदम चूमेगी।

उन्होंने

नवनियुक्त वैज्ञानिकों

से आहान किया कि इस आरंभिक प्रशिक्षण से हासिल ज्ञान को अपने सेवाकाल में अधिक से अधिक प्रयोग करें ताकि वे नित नई चुनौतियों का सामना कर आगे बढ़ने में सक्षम हो सकें। इस दौरान विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक नवीन जैन, मीडिया एडवाइजर डा. आर.एस. छिल्लों सहित प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजक व प्रशिक्षणार्थी मौजूद थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	10.10.2020	--	--

आगे बढ़ने के लिए नई तकनीकों के साथ सामंजस्य जरूरी : प्रोफेसर समर सिंह

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 10 अक्टूबर : जीवन में आगे बढ़ने के लिए वर्तमान समय की नई तकनीकों के साथ सामंजस्य बैठाना जरूरी है। इसके लिए शिक्षकों को नित नई तकनीकों व शिक्षण की बारीकियों को सीखना होगा। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे नवनियुक्त अनुसंधान, शिक्षण व विस्तार के शिक्षकों एवं वैज्ञानिकों के लिए आवोजित आरंभिक प्रशिक्षण के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आवोजन मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की ओर से किया गया था। उन्होंने कहा कि अब उनकी नई जिम्मेदारी विश्वविद्यालय को अपनी मेहनत व संघर्ष की बदौलत आगे ले जाने की है। इसके लिए उन्हें पूरी निष्ठा व कर्तव्य से कार्य करना होगा। अगर आप मेहनत, सच्ची लगन, दृढ़ सकल्प व आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेंगे तो सफलता आपके कदम चुम्पेगी क्योंकि सफलता का कोई शॉट कट नहीं होता। उन्होंने नवनियुक्त वैज्ञानिकों से आहवान किया कि इस आरंभिक प्रशिक्षण से हासिल ज्ञान को अपने सेवाकाल में अधिक से अधिक प्रयोग करें ताकि वे नित



नई चुनौतियों का सामना कर आगे बढ़ने में सक्षम हो सकें। आज के दौर में कामयाबी के लिए आपके व्यक्तित्व की बहुत बड़ी भूमिका होती है। इसलिए आप किसी भी क्षेत्र में काम कर रहे हों, आपको हमेशा आत्म विकास पर कार्य करना होगा। आत्म विकास व आत्म विश्वास इसान को सामान्य जीवन के साथ-साथ उसके करियर में भी बहुत आगे तक लेकर जा सकता है। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिंहपुरिया ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए प्रतिभागियों के साथ परिचय करवाया। साथ ही मानव संसाधन निदेशालय के संगठनात्मक ढांचे व उसकी गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे	09.10.2020	--	--

आगे बढ़ने के लिए नई तकनीकों के साथ सामंजस्य जरूरी : प्रोफेसर समर सिंह

टुडे न्यूज | हिसार

जीवन में आप बढ़ने के लिए वर्तमान समय की नई तकनीकों के सामाजिक यैतान जल्दी ही। इसके लिए शिक्षकों को नित नई तकनीकों व रिकार्डिंग की अवधियां को सीखना होगा। उक्त विचार औरीरी चरण से हीरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समाज सिंह ने कहा है। वे नवनियुक्त असेंसर, शिक्षकों के लिए आयोजित आरपिंग प्रशिक्षण के समाप्त अवसर पर उक्त रुद्रमुखीय संस्थानीय देशी प्रशिक्षण का आयोजन करना चाहिए। संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा ओर से किया गया था। उहाँने कहा कि अब उनकी नई जिम्मेदारी विश्वविद्यालय की नियमों मेंहठाने संस्थानी की बदलत आगे ले जाने वाली है। इसके लिए उहाँने पूरी नियम बदलने के साथ संकल्प व्यापक सफलता करना चाहिए। आप महनत, लम्बन, दृष्टि संकल्प व्यापक समाजविश्वास के साथ आगे बढ़ते तो सफलता आपका कदम चुम्पी बनाता कि सफलता व उसकी उन्नति की दिशा देता है।

विश्वविद्यालय की प्रत्येक प्रशासनिक गतिविधि से कराया अवगत



प्रशिक्षणार्थियों को सर्टफीकेट वितरित करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समाज सिंह ने अन्य।

के घलते प्रतिदिन प्रशिक्षण शुरू होने से पहले प्रशिक्षण हाँल को सेलेटाइज करवाते हुए सामाजिक दृष्टि व मास्टक का विशेष ध्यान रख गया। सहायक विदेशीक डॉ. जिलेन भट्टिया ने बताया कि प्रशिक्षणार्थी द्वारा प्रतिदिन अप्पा-अलग क्षेत्रों पर

दिशेषजड़ों द्वारा व्याख्यान दिए गए,
जिनमें दिस्त्रिविद्यालय के व बाहर के
दिशेषजड़ों भी शामिल थे। इस दौरान
दिस्त्रिविद्यालय के द्वितीयक्रम नवीनी
जैन, मीडिया एडवाइजर डॉ. आर.एस.
दिल्ली सहित प्रशिक्षण कार्यक्रम के
आगे जारी हुए प्रशिक्षणार्थी सौन्दर्य थे।

आत्म विकास पर कार्य करना होगा।
आत्म विकास व आत्म विश्वास
इंसान को सामान्य जीवन के साथ-
साथ उसके करियर में भी बहुत आगे
तक लेकर जा सकता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज	09.10.2020	--	--

आगे बढ़ने के लिए नई तकनीकों के साथ सामंजस्य जरूरी: प्रो. समर सिंह

पल पल न्यूजः हिसार, 9 अक्टूबर। जीवन में आगे बढ़ने के लिए वर्तमान समय की नई तकनीकों के साथ सामंजस्य बैठना



जरूरी है। इसके लिए शिक्षकों को नित नई तकनीकों व शिक्षण की बारीकियों को सीखना होगा। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे नवनियुक्त अनुसंधान, शिक्षण व विस्तार के शिक्षकों एवं वैज्ञानिकों के लिए आयोजित आरंभिक प्रशिक्षण के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की ओर से किया गया था। उन्होंने कहा कि अब उनकी नई जिम्मेदारी विश्वविद्यालय को अपनी मेहनत व संघर्ष की बदौलत आगे ले जाने की है। इसके लिए उन्हें पूरी निष्ठा व कर्तव्य से कार्य करना होगा। अगर आप मेहनत, सच्ची लगन, दृढ़ संकल्प व आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेंगे तो सफलता आपके कदम चुम्ही क्योंकि सफलता का कोई शॉर्ट कट नहीं होता। उन्होंने नवनियुक्त वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि इस आरंभिक प्रशिक्षण से हासिल ज्ञान को अपने सेवाकाल में अधिक से अधिक प्रयोग करें ताकि वे नित नई चुनौतियों का सामना कर आगे बढ़ने में सक्षम हों। आज के दौर में कामयाबी के लिए आपके व्यक्तित्व की बहुत बड़ी भूमिका होती है। इसलिए आप किसी भी क्षेत्र में काम कर रहे हों, आपको हमेशा आत्म विकास पर कार्य करना होगा। आत्म विकास व आत्म विश्वास इंसान को सामान्य जीवन के साथ-साथ उसके करियर में भी बहुत आगे तक लेकर जा सकता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समर घोष	09.10.2020	--	--

आगे बढ़ने के लिए नई तकनीकों के साथ सामंजस्य जट्टी: प्रोफेसर समर सिंह

हिसार। जीवन में आगे बढ़ने के लिए वर्तमान समय की नई तकनीकों के साथ सामंजस्य बैठना जरूरी है। इसके लिए शिक्षकों को नित नई तकनीकों व शिक्षण की वारीकियों को सीखना होगा। उक विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कूलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे नवनियुक्त अनुसंधान, शिक्षण व विस्तार के शिक्षकों एवं वैज्ञानिकों के लिए आयोजित आर्थिक प्रशिक्षण के समाप्त अवसर पर बताए मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की ओर से किया गया था। उन्होंने कहा कि अब उनकी नई जिम्मेदारी विश्वविद्यालय को अपनी मेहनत व सघर्ष की बढ़ावत आगे ले जाने की है। इसके लिए उन्हें पूरी निष्ठा व कर्तव्य से कार्य करना होगा। अगर आप मेहनत, सच्ची लगन, दृढ़ सकल्प व आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़े तो सफलता आपके कदम चूमेगी वयोंकि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। उन्होंने नवनियुक्त वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि इस आर्थिक प्रशिक्षण से हासिल ज्ञान को अपने सेवाकाल में अधिक से अधिक प्रयोग करें ताकि वे नित नई चुनौतियों का सामना कर आगे बढ़ने में सक्षम हो सकें। उन्होंने कहा कि आज के दौर में कामयाबी के लिए आपके व्यक्तिल की बहुत बड़ी भूमिका होती है। इसलिए आप किसी भी क्षेत्र में काम कर रहे हों, आपको हमेशा आत्म विकास पर कार्य करना होगा। आत्म विकास व आत्म विश्वास इसान को सामान्य जीवन के साथ-साथ उसके करियर में भी बहुत आगे तक ले कर जा सकता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	09.10.2020	--	--

एचएयू के नवनियुक्त वैज्ञानिकों का एक माह का आरंभिक प्रशिक्षण संपन्न



हिसार। हिसार। प्रशिक्षणाधिकारी को सटीफोकेट वितरित करते विश्वविद्यालय के कुलपति समर सिंह।

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। जीवन में आगे बढ़ने के लिए बत्तमान समय की नई तकनीकों के साथ समर्जन विकासकों को नित नई तकनीकों व शिक्षण की वारीकियों को सीखना होगा। उक्त विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा। वे नवनियुक्त अनुसंधान, शिक्षण व विद्यार के शिक्षकों एवं वैज्ञानिकों के लिए आयोजित आरंभिक प्रशिक्षण के समाप्त अवसर पर बतौर मुख्यालिय संबोधित कर रहे थे।

प्रशिक्षण का आयोजन मानव समाजन प्रबंधन निदेशालय की ओर से किया गया था। उहोंने कहा कि अब उनकी नई जिम्मेदारी विश्वविद्यालय को अपनी मेहनत व सघर्ष की बढ़ीलत आगे ले जाने की है। इसके लिए उन्हें पूरी निष्ठा व कर्तव्य से कार्य करना होगा। अगर आप मेहनत, सच्ची लगान, दृढ़ संकल्प व आत्मवि�रासत के साथ आपेक्षित होंगे तो सफलता आपके कदम चुम्ही करोगी। सफलता का कोई शर्त कट नहीं होता। मानव समाजन प्रबंधन निदेशालय के

निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने निदेशालय के संगठनात्मक ढांचे व उसकी गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। संयुक्त निदेशक व कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि इस एक माह के आरंभिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के नवनियुक्त शिक्षकों को विश्वविद्यालय की सभी गतिविधियों, नियमों, कानून, एकट एंड स्टेट्यूट्स, विश्वविद्यालय प्रशासन के संगठनात्मक ढांचे व गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	09.10.2020	--	--

समस्त हरियाणा

शुक्रवार, 9 अक्टूबर, 2020

3

आगे बढ़ने के लिए नई तकनीकों के साथ सामंजस्य जरूरी : वीसी

एचएयू के नवनियुक्त वैज्ञानिकों का एक माह का आरंभिक प्रशिक्षण संपन्न

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। जीवन में आगे बढ़ने के लिए, वर्तमान समय की नई तकनीकों के साथ सामंजस्य बैठना जरूरी है। इसके लिए, शिक्षकों को नित नई तकनीकों व शिक्षण की वार्ताक्रियों को सीखना होगा। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर मिहन ने कहे। वे नवनियुक्त अनुरूपन, शिक्षण व विस्तार के शिक्षकों एवं वैज्ञानिकों के लिए आयोजित आरंभिक प्रशिक्षण के समापन अवसर पर चौटी मुख्यालयी संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की ओर से किया गया था।

उन्होंने कहा कि अब उनकी नई की है। इसके लिए उन्हें पूरी निष्ठा व आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेंगे तो बढ़ने में सक्षम हो सकें। आज के दौर में आगे तक लेकर जा सकता है।

विश्वविद्यालय की प्रत्येक प्रशासनिक गतिविधि से कराया अवगत

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिंहपुरिया ने मुख्यालयी का स्वागत करते हुए प्रतिभागियों के साथ चर्चाय कराया। साथ ही मानव संसाधन निदेशालय के संगठनात्मक ढाँचे व उनकी गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। निदेशालय की संसुलुक निदेशक व कार्यक्रम की संसोचक ढाँचे में खूब योग्यता ने बताया कि इसके मानव के आरंभिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के नवनियुक्त शिक्षकों को विश्वविद्यालय की सभी गतिविधियों, नियमों, कानून, एक और स्टेटयूटस, विश्वविद्यालय प्रशासन के संगठनात्मक ढाँचे, महाविद्यालयी के संगठनात्मक ढाँचे व गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। कोरोना महामारी के बलते प्रतिदिन प्रशिक्षण शुरू होने से पहले प्रशिक्षण हाँल की सेनेटाइज करवाते हुए समाजिक दूरी व मानक का विशेष ध्यान रखा गया। सहायक निदेशक डॉ. जितेंद्र भाटिया ने बताया कि प्रशिक्षणाधिकारी को प्रतिदिन अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिए गए, जिनमें विश्वविद्यालय के व बाहर के विशेषज्ञ भी शामिल थे। इस दौरान विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक नवीन जैन, महिला एडवाइजर डॉ. आर.एस. डिल्लों सहित प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजक व प्रशिक्षणाधीय मैचूल थे।



सफलता आपके कदम चुम्पेंगी क्योंकि कामयाबी के लिए आपके व्यक्तिकृती का सफलता का कोई शर्ट कट नहीं होता। बहुत बड़ी भूमिका होती है। इसलिए आप उन्होंने नवनियुक्त वैज्ञानिकों से आह्वान किया भी क्षेत्र में काम कर रहे हों, किया जान को अपने सेवाकाल में आपको हमेशा आत्म विकास पर कार्य हासिल जान के लिए आरंभिक प्रशिक्षण से आपको हमेशा आत्म विकास पर कार्य अधिक से अधिक प्रयोग करें ताकि वे विश्वास इंसान को सामाज्य जीवन के नित नई चुनौतियों का सामने कर आगे साथ-साथ उसके करियर में भी बहुत



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	09.10.2020	--	--

हिसार/अन्य

पांच बजे 3

एचएयू के नवनियुक्त वैज्ञानिकों का एक माह का आरंभिक प्रशिक्षण संपन्न

आगे बढ़ने के लिए नई तकनीकों के साथ सामंजस्य जरूरी : प्रो. समर सिंह

पांच बजे ब्लूग

हिसार ज़ीवन में आगे बढ़ने के लिए वर्तीन समय की नई तकनीकों के साथ सामंजस्य बैठाना जरूरी है। इसके लिए शिक्षकों को नित नई तकनीकों के शिक्षण की वार्ताओं की सीखने होती है। उक्त विभाग चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलाधित प्रोफेसर समर सिंह ने कहा है। वे नवनियुक्त अनुसंधान, प्रशिक्षण व विस्तार के शिक्षकों एवं वैज्ञानिकों के लिए आर्योजित आरंभिक प्रशिक्षण के समापन अवसर पर बौरूर मुख्यातिथि सम्बोधन कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन महान संसाधन प्रबंधन निदेशालय की ओर से किया गया था। उन्होंने कहा कि अब उनको नई जिम्मेदारी विश्वविद्यालय को अपनी महान व संघर्ष को बढ़ावान आयोजित आगे ले जाने की है। इसके दिन उन्हें पूरी निवादा व कर्तव्य से कार्य करना होता। अगर आप



मेहनत, सच्ची लगन, दृढ़ संकल्प व अत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने तो किया कि इस आरंभिक प्रशिक्षण से हासिल करने की अपेक्षा सकलता आपके कदम चुम्ही कर्मोंकि जान को अपने सेवाकाल में अधिक सफलता का कोई शार्ट कट नहीं होता।

उन्होंने नवनियुक्त वैज्ञानिकों से आल्यान किया कि इस आरंभिक प्रशिक्षण में शास्त्रीय संसाधन निदेशालय के संगठनात्मक ढाँचे व गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। कोरोना महामारी के चलते प्रतिदिन प्रशिक्षण शुरू होने से पहले प्रशिक्षण हल्के को सेनेटाइज कराया हुए सामाजिक दूरी व मासक का विधाय ध्यान रखा गया। सहायक निदेशक डॉ. जितेंद्र भट्टाचार्य ने बताया कि प्रशिक्षणार्थियों का प्रतिदिन अलग-अलग लेके के विशेषज्ञ द्वारा व्याख्यान दिए गए, जिनमें विश्वविद्यालय के व बाहर के संसाधन निदेशालय के संगठनात्मक ढाँचे व उत्तरी गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। निदेशालय को संगठन निदेशक व कार्यालय की संस्थानक डॉ. मंजु मेहता ने अधिक प्रशोग करें ताकि वे नित नई बताया कि इस एक माह के आरंभिक

प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के नवनियुक्त शिक्षकों को विश्वविद्यालय के सभी गतिविधियों, नियामों, कानून, एवं एंड स्ट्रेटगी, विश्वविद्यालय प्रशासन के संगठनात्मक ढाँचे, महाविद्यालयों के संगठनात्मक ढाँचे व गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। कोरोना महामारी के चलते प्रतिदिन प्रशिक्षण शुरू होने से पहले प्रशिक्षण हल्के को सेनेटाइज कराया हुए सामाजिक दूरी व मासक का विधाय ध्यान रखा गया। सहायक निदेशक डॉ. जितेंद्र भट्टाचार्य ने बताया कि प्रशिक्षणार्थियों का प्रतिदिन अलग-अलग लेके के विशेषज्ञ द्वारा व्याख्यान दिए गए, जिनमें विश्वविद्यालय के व बाहर के संसाधन निदेशालय के संगठनात्मक ढाँचे व गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इस दौरान विश्वविद्यालय के वित नियन्त्रक नवीन जैन, पीडीयू इडवाइजर डॉ. अर्पण, दिल्ली संसिद्ध प्रशिक्षण कार्यालय के आयोजक व प्रशिक्षणार्थी मौजूद थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नम छोर	09.10.2020	--	--

वर्तमान की नई तकनीकों के साथ सामंजस्य जरूरी: कुलपति

हिसार/09 अक्टूबर/रिपोर्टर

जीवन में आगे बढ़ने के लिए वर्तमान समय की नई तकनीकों के साथ सामंजस्य बैठाना जरूरी है। इसके लिए शिक्षकों को नित नई तकनीकों व शिक्षण की वारीकियों को सीखना होगा। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे नवनियुक्त अनुसंधान, शिक्षण व विस्तार के शिक्षकों एवं वैज्ञानिकों के लिए आयोजित आरंभिक प्रशिक्षण के समापन पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की ओर से किया गया था। उन्होंने कहा कि अब उनकी नई जिम्मेदारी विश्वविद्यालय को अपनी मेहनत व संघर्ष की बदौलत आगे ले जाने की है। इसके लिए उन्हें पूरी निष्ठा व कर्तव्य से कार्य करना होगा। अगर आप मेहनत, सच्ची लगान, दृढ़ सकल्प व आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेंगे तो सफलता आपके कदम चूँगी क्योंकि सफलता का कोई शॉर्ट कट



नहीं होता। उन्होंने नवनियुक्त वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि इस आरंभिक प्रशिक्षण से हासिल ज्ञान को अपने सेवाकाल में अधिक से अधिक प्रयोग करें ताकि वे नित नई चुनौतियों का समाना कर आगे बढ़ने में सक्षम हो सकें। आज के दौर में कामयाबी के लिए आपके व्यक्तित्व की बहुत बड़ी भूमिका होती है। इसलिए आप किसी भी क्षेत्र में काम कर रहे हों, आपको हमेशा आत्म विकास पर कार्य करना होगा। आत्म विकास व आत्म विश्वास इंसान को सामान्य जीवन के साथ साथ उसके करियर

प्रशासन के संगठनात्मक ढांचे, महाविद्यालयों के संगठनात्मक ढांचे व गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई। सहायक निदेशक डॉ. जितेंद्र भाटिया ने बताया कि प्रशिक्षणार्थियों को प्रतिदिन अलग अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिए गए, जिनमें विश्वविद्यालय व बाहर के विशेषज्ञ भी शामिल थे। इस दौरान विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक नवीन जैन, मीडिया एडवाइजर डॉ. आरएस छिल्लो सहित प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजक व प्रशिक्षणार्थी मौजूद थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	09.10.2020	--	--

मौसम खुशक रहने की संभावना, रात्रि को बढ़ सकती है ठंड

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। हरियाणा कृषि

विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार आगामी दिनों में मौसम आमतौर पर खुशक रहने व रात्रि को तापमान में हल्की गिरावट की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार 10 से 14 अक्टूबर तक अधिकतम तापमान 33 से 36 डिग्री सेल्सियस व सेल्सियस रहने की संभावना है। इस दौरान 4 से 8 किलोमीटर प्रति घंटा के बीच उत्तर-पश्चिमी हवा चल सकती है।

कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को सलाह दी है कि खाली खेतों को अच्छी तरह जुताई कर सरसों व चने के लिए तैयार करें तथा

प्रमाणित किस्मों की बिजाई करें।

तापमान में गिरावट को ध्यान में रखते हुए सरसों की बिजाई करें। अगेती रबी फसलों की तैयारी के लिए खेत की जुताई करने के तुरंत बाद सुहागा अवश्य लगाएं ताकि गिरावट की संभावना है। मौसम मिट्टी में नमी का संचित विभाग के अनुसार 10 से 14 रह पाए।

खुशक मौसम के संभावना को देखते हुए कपास व नरमा की फसल की चुगाई जल्दी से जल्दी पूरी करें। मौसम को ध्यान में रखते हुए कटाई से पहले धान में दो सप्ताह पूर्व सिंचाई बंद कर दें। अगले चार दिनों में पकी हुई बाजरा की कढाई व कटाई जल्दी से पूरी कर लें। खुशक मौसम को देखते हुए हरे चारे की बिजाई के देखते हुए हरे चारे की बिजाई के लिए खेत को तैयार रखें।